सरगम

हिंदी की अभ्यास पुस्तिका

भाग 6

त्रिलोक कौशिक

सृजन पब्लिशर्स प्रा॰ लि॰

विषय सूची

1.	हिम्मत करने वालों की	3
2.	नमक की मिठास	5
3.	परीक्षा	8
4.	एक बूँद	10
5.	हमारा स्वास्थ्य	11
6.	सुखदा मणि	14
7.	बाढ़ का बेटा	15
8.	जगमग जगमग	17
9.	तुम कब जाओगे अतिथि	19
10.	राखी का मूल्य	21
11.	माँ की मीठी आवाज़	24
12.	शहीद बकरी	25
13.	माँ के नाम पत्र	27
14.	मैया मोरी	30
15.	अनारको का सातवाँ दिन	31
16.	सुमान खाँ	33
17.	प्रेरक प्रसंग	36
18.	मत बाँटो इनसान को	37
19.	लालू	38
20.	जवाहर भाई	41
21.	काकी	43
22.	सोने की चिड़िया	46
	अपठित बोध	47

1. हिम्मत करने वालों की

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष करो, मैदान छोड़ मत भागो तुम।
कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती,
हिम्मत करने वालों की हार नहीं होती।

1. मनुष्य को अपनी असफलता को किस रूप में लेना चाहिए?

____

____

2. जब तक सफलता न मिले तब तक क्या करना चाहिए?

____

____

3. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरो –

(क) हमें जीवन में हर प्रकार की __________ का सामना करना चाहिए।
(चुनौतियाँ / चुनौतियों)

(ख) जो लोग हिम्मत वाले होते हैं, __________ हार नहीं होती है।
(उनकी / उसकी)

(ग) जीवन में संघर्ष से __________ वाले सफल नहीं हो सकते।
(घबराना / घबराने)

(घ) मैदान छोड़कर __________ जाना कायरता की निशानी है।
(भाग / भागा)

(ङ) अपनी __________ को सुधारना अच्छी आदत है।
(गलतियों / गलतियाँ)

4. समानार्थी शब्दों का मिलान करो –

(क) त्यागना	नहीं
(ख) हार	छोड़ना
(ग) सफल	पराजय
(घ) मत	उत्तीर्ण

5. इन शब्दों से वाक्य बनाओ –

(क) उत्साह ________________

____

(ख) संघर्ष ________________

____

(ग) मेहनत ________________

____

II. इस कविता से हमें क्या संदेश मिलता है?

____

____

____

2. नमक की मिठास

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

एक राजा की तीन बेटियाँ थीं। एक दिन उसने अपनी बेटियों को अपने पास बुलाया। और उनसे कहा, "मेरी प्यारी बच्चियो! लोग कहते हैं कि मैं बहुत बड़ा राजा हूँ। वे मुझे प्यार भी करते हैं और इतना सम्मान भी कि मेरे लिए अपनी जान भी देने को तैयार हैं। लेकिन मैं यह जानना चाहता हूँ कि मेरी अपनी बेटियाँ मुझे कितना प्यार करती हैं!"

"पिता जी, मैं आपको बहुत प्यार करती हूँ। मेरा प्यार आकाश की भाँति अनंत और स्वर्ण की भाँति शुद्ध है।" बड़ी बेटी बोली।

1. राजा अपनी बेटियों से क्या जानना चाहता था?

2. बड़ी बेटी ने अपने पिता से प्यार की तुलना किससे की?

3. वाक्य बनाकर इन शब्दों के जोड़ों में अंतर स्पष्ट करो–

   (क) बच्चियो

   बच्चियों

   (ख) सम्मान

   समान

4. इन शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखो –

   (क) राजा

   (ख) बेटी

   (ग) स्वर्ण

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

राजा भोजन के लिए बैठ गया। सोने की कटोरियों में तरह-तरह की चीज़ें उसके सामने रख दी गईं। राजा को भूख लग रही थी, उसने एक कटोरी में से एक ग्रास खाया। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ जब उसने अनुभव किया कि खाने में नमक नहीं था। उसने दूसरी कटोरी में से सब्ज़ी लेकर चखी–वह भी बिना नमक की थी। इसके बाद उसने बारी-बारी से सभी कटोरियों से भोजन लेकर चखा लेकिन नमक सबमें नदारद था। राजा को बड़ा गुस्सा आया। उसने अपने चारों ओर देखा तो पाया कि बाकी अतिथि तो मज़े से भोजन का आनंद ले रहे थे।

1. राजा ने जब एक ग्रास खाया तो उसने क्या पाया?

____

____

2. राजा ने अपने चारों ओर देखने पर क्या पाया?

____

____

3. इन वाक्यों में रेखांकित शब्दों के वचन लिखो –

(क) उसने एक <u>कटोरी</u> में से एक ग्रास उठाया।

(ख) कटोरियों में तरह-तरह की <u>चीज़ें</u> परोसी गईं थीं।

(ग) बाकी <u>अतिथि</u> मज़े से भोजन का आनंद ले रहे थे।

III. तीसरी राजकुमारी की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन लगभग पचास शब्दों में करो।

____

____

____

____

____

____

____

IV. ‘भोजन में नमक का महत्व’ – इस विषय पर लगभग बीस शब्दों में अनुच्छेद लिखो।

3. परीक्षा

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

एक दिन नये फ़ैशनवालों को सूझी कि हॉकी का खेल हो जाए। यह प्रस्ताव हॉकी के मँजे हुए खिलाड़ियों ने पेश किया। सोचा, शायद वह हुनर ही कुछ काम आ जाए। इसे भी क्यों न आज़माया जाए। पक्का निश्चय होने के बाद फ़ील्ड बन गया और खेल शुरू हो गया। देवगढ़वालों के लिए यह खेल बिलकुल निराला था। पढ़े-लिखे लोग शतरंज और ताश जैसे गंभीर खेल खेलते थे। भाग-दौड़ के खेल बच्चों के खेल समझे जाते थे।

1. हॉकी खेलने का प्रस्ताव किसने पेश किया था?

2. देवगढ़वालों के लिए यह खेल निराला था। ऐसा क्यों?

3. इन वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित करो –
   (क) उन्होंने सोचा कि शायद वह हुनर ही काम आ जाए।
   (ख) पक्का निश्चय होने के बाद फ़ील्ड बन गया।
   (ग) देवगढ़वालों के लिए यह खेल निराला था।
   (घ) वे शतरंज जैसे गंभीर खेल खेलते थे।

4. इस गद्यांश में से युग्म-शब्द चुनकर लिखो।

5. इन शब्दों से वाक्य बनाओ –
   (क) प्रस्ताव
   (ख) हुनर

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

"दीवानी के उम्मीदवार महाशयो, मैंने आपको जो कष्ट दिया, उसके लिए मैं माफ़ी चाहता हूँ। इस पद के लिए दयावान, उदार, आत्मबल से भरपूर एवं वीर महापुरुष की आवश्यकता थी। सौभाग्य से हमें ऐसा व्यक्ति मिल गया है। ऐसे गुण वाले व्यक्ति संसार में विरले ही होते हैं, और जो हैं, वे कीर्ति और मान के उच्च शिखर पर बैठे हैं, उन तक हमारी पहुँच नहीं है। मैं रियासत को पंडित जानकीनाथ-सा दीवान पाने पर बधाई देता हूँ।"

1. यह संवाद किनके द्वारा बोला गया है?

____

2. दीवान के पद हेतु किस प्रकार की योग्यता वाले व्यक्ति की आवश्यकता थी?

____

____

3. दीवान के पद हेतु चुने गए उम्मीदवार का नाम क्या था?

____

4. सही समानार्थी शब्द का चयन करो –

(क) शिखर	=	चोटी / चोट	(ख) कष्ट	=	दुख / दुखी
(ग) दयावान	=	सदय / दयालु	(घ) मान	=	आदरणीय / आदर
(ङ) संसार	=	जगत / निचोड़	(च) वीर	=	मज़बूत / साहसी

III. 'सच्चरित्रता' के बारे में लगभग तीस शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

____

____

____

____

____

____

____

4. एक बूँद

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

ज्यों निकलकर बादलों की गोद से,
थी अभी इक बूँद कुछ आगे बढ़ी।
सोचने फिर-फिर यह जी में लगी–
आह! क्यों घर छोड़कर मैं यों कढ़ी।

1. बादल की बूँद कहाँ से निकली थी?

____

2. बादल की बूँद क्या सोचने लगी?

____

____

3. मिलते-जुलते तुक वाले एक-एक शब्द लिखो –

(क) ज्यों	________	(ख) अभी	________
(ग) आह	________	(घ) बूँद	________
(ङ) गोद	________	(च) फिर	________

II. 'वर्षा ऋतु' पर लगभग तीस शब्दों में अनुच्छेद लिखो।

____

____

____

____

____

____

____

5. हमारा स्वास्थ्य

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

स्वास्थ्य और स्वास्थ्य-रक्षा के बुनियादी नियम बड़े सरल हैं और उन्हें आसानी से सीखा जा सकता है। कठिनाई केवल उनका पालन करने में होती है। इनमें से कुछ नियम ये हैं – विचारों को शुद्ध रखिए। निरर्थक और अशुद्ध विचारों को मन से निकाल दीजिए। दिन-रात शुद्ध वायु में श्वास लीजिए। शारीरिक और मानसिक श्रम के बीच संतुलन स्थापित कीजिए। सीधे खड़े होइए, सीधे बैठिए और अपने काम में स्वच्छता बरतिए।

1. स्वास्थ्य के नियमों के बारे में लेखक ने क्या मत व्यक्त किया है?

2. लेखक ने किनके बीच संतुलन स्थापित करने को कहा है?

3. इन शब्दों के विलोम शब्द लिखो –

(क) शुद्ध ______ (ख) निरर्थक ______

(ग) संतुलन ______ (घ) सरल ______

(ङ) स्वच्छता ______ (च) दिन ______

4. इन शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखो –

(क) कठिनाई = ______ + ______

(ख) स्वच्छता = ______ + ______

(ग) बुनियादी = ______ + ______

(घ) शारीरिक = ______ + ______

(ङ) स्थापित = ______ + ______

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो –

बीमार पड़ने से भी बड़ा अपराध बीमारी के प्रति लापरवाही बरतना है। बीते कल की तुलना में आज बेहतर काम करने की चेष्टा की कोई सीमा नहीं है। हमें इस बात की चिंता करनी चाहिए और मालूम करना चाहिए कि हम बीमार क्यों हैं अथवा क्यों पड़े? प्रकृति का नियम सेहत है, बीमारी नहीं।

1. बीमारी के प्रति लापरवाही के बारे में लेखक ने क्या कहा है?

____

2. हमें किस बात की चिंता करनी चाहिए?

____

____

3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के शब्द-भेद लिखो –

(क) <u>बीमारी</u> के प्रति लापरवाही बरतना अपराध है। _______________

(ख) <u>हमें</u> बीमारी के कारणों का पता लगाना चाहिए। _______________

(ग) <u>बेहतर</u> काम करने की चेष्टा करो। _______________

(घ) वह <u>आज</u> बीमार पड़ गया। _______________

(ङ) लेखक ने अच्छी बातें <u>बताईं</u>। _______________

III. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाकर वाक्यों को दोबारा लिखो–

1. हमारा भोजन वायु और पानी स्वच्छ होने चाहिए

____

2. तुम इतना पिज़्ज़ा बर्गर वगैरह क्यों खाते हो

____

3. डॉक्टर ने रोगी को सलाह दी तुम्हें खान-पान में परहेज़ करना चाहिए

____

4. मैंने डॉक्टर से पूछा क्या मैं दलिया खा सकता हूँ

____

5. अहा मैं स्वस्थ हो गया

IV. 'स्वास्थ्य ही धन है' – इस विषय पर अपने विचार लगभग तीस शब्दों में लिखो।

6. सुखदा मणि

I. इस कहानी को अपने शब्दों में लिखो।

II. 'ईर्ष्या विनाश का कारण है।' – इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करो।

7. बाढ़ का बेटा

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

बूढ़े प्रयाग सहनी इसी प्रकार एक दिन जाल बिछाकर बैठे थे कि उन्होंने बिसेसर को पुचकारकर बुलाया, "आओ बेटे, एक नया खेल सिखला दें तुम्हें।" और सचमुच खेल–खेल में ही उन्होंने बिसेसर को क्या–क्या नहीं सिखला दिया – जाल की मरम्मत करना, नया जाल बनाना। जाल का धागा कैसा होना चाहिए, जाल को तैयार कैसे करना चाहिए, जाल को कैसे सँभालना चाहिए, कैसे फेंकना चाहिए? सिर के चारों ओर घुमाकर फेंकते ही वह एक बड़ा–सा गोला बनाता पानी में इस तरह गिरे कि उसके दायरे की मछलियों को निकल भागने का मौका ही नहीं मिले! प्रयाग सहनी ने मछली मारने के सारे गुर बिसेसर को बता दिए थे।

1. बिसेसर और प्रयाग सहनी में क्या संबंध था?

   ____

2. मछली मारने की कला बिसेसर ने किनसे सीखी थी?

   ____

3. बताओ कि प्रयाग साहनी ने बिसेसर को इनमें से क्या नहीं सिखलाया था–

   (क) नया जाल बुनने की कला ☐

   (ख) जाल को नदी में फेंकने का तरीका ☐

   (ग) जाल की मरम्मत करने का हुनर ☐

   (घ) जाल चुराने का तरीका ☐

4. निम्नलिखित क्रियाओं से प्रेरणार्थक क्रियाएँ बनाओ–

(क) भागना ____________	(ख) मिलना ____________
(ग) सीखना ____________	(घ) बनना ____________
(ङ) करना ____________	(च) गिरना ____________
(छ) बैठना ____________	(ज) घूमना ____________

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

जहाँ पहले हाहाकार था, वहाँ अब चीत्कार है। लेकिन रोने-धोने से होता है क्या, लोग धीरे-धीरे शांत हो रहे हैं। प्रयाग सहनी कहा करते थे, जो बाढ़ जितनी तेज़ी से आती है, वह उसी तेज़ी से भागती भी है। दूसरे ही दिन से पानी घटने लगा था फिर भी गाँव से निकलते-निकलते सात दिन लग ही गए। उफ़, इन सात दिनों में गाँव की कैसी दुर्गत हो गई है! लगता है, गाँव पर किसी ने बमबारी की हो।

1. प्रयाग साहनी क्या कहा करते थे?

____

____

2. बाढ़ का पानी गाँव में कितने दिनों तक टिका रहा था?

____

3. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाओ–

(क) रोना ____________ (ख) शांत ____________

(ग) धोना ____________ (घ) चीखना ____________

III. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के वचन लिखो–

1. उसने नया <u>जाल</u> बनाया। ____________
2. बाढ़ के साथ <u>मछलियाँ</u> भी आ गई थी। ____________
3. बिसेसर <u>घर</u> की चीज़ों को सहेज रहा था। ____________
4. बिसेसर हँसुली बेचकर <u>पैसे</u> ले आया। ____________

IV. बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए अपने विद्यालय के छात्रों से अपील करते हुए एक सूचना तैयार करो–

____

____

____

____

8. जगमग-जगमग

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

राजा के घर, कंगले के घर,
हैं यही दीप सुंदर-सुंदर!
दिवाली की श्री है पग-पग,
जगमग-जगमग-जगमग-जगमग!

1. उपर्युक्त पंक्तियों का संबंध किस त्योहार से है?

2. किन-किनके यहाँ सुंदर-सुंदर दीप जले हैं?

3. इन शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाओ–

(क) जगमग ______ (ख) सुंदर ______

II. इस कविता का सारांश लिखो।

III. 'त्योहारों की महत्ता' – इस विषय पर लगभग पच्चीस शब्दों का एक अनुच्छेद लिखो।

IV. अपने विद्यालय के सूचना पट्ट पर चिपकाने के लिए एक सूचना तैयार करो जिसमें दीपावली के अवसर पर पटाखे न छोड़ने की अपील हो।

9. तुम कब जाओगे अतिथि

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

तुम जिस सोफ़े पर टाँगें पसारे बैठे हो, उसके ठीक सामने एक कैलेंडर लगा है जिसकी फड़फड़ाती तारीखें मैं तुम्हें रोज़ दिखाकर बदल रहा हूँ। यह मेहमानवाज़ी का चौथा दिन है, मगर तुम्हारे जाने की कोई संभावना नज़र नहीं आती। लाखों मील लंबी यात्रा करके एस्ट्रोनॉट्स भी चाँद पर इतना नहीं रुके जितना तुम रुके। उन्होंने भी चाँद की इतनी मिट्टी नहीं खोदी जितनी तुम मेरी खोद चुके हो। क्या तुम्हें अपना घर याद नहीं आता?

1. लेखक ने कैलेंडर के बारे में क्या लिखा है?

____

____

2. अतिथि को आए हुए कितने दिन हो गए हैं?

____

____

3. इस गद्यांश में 'मिट्टी खोदना' का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?

____

4. निम्नलिखित शब्दों के एकवचन रूप लिखो–

(क) टाँगें ____________ (ख) तारीखें ____________

(ग) यात्राएँ ____________ (घ) लाखों ____________

5. इन शब्दों से वाक्य बनाओ–

(क) संभावना ______________________________

____

(ख) मिट्टी ______________________________

____

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

जवाब में मैं कंधे उचका देता हूँ। जब वह प्रश्न पूछती है, मैं उत्तर नहीं दे पाता। जब मैं पूछता हूँ, वह चुप रह जाती है। तुम्हारा बिस्तर कब गोल होगा अतिथि!
मैं जानता हूँ कि तुम्हें मेरे घर में अच्छा लग रहा है। सबको दूसरों के घर में अच्छा लगता है। यदि लोगों का बस चलता तो वे किसी और के घर ही रहा करते।

1. लेखक क्या जानता है?

____

2. लेखक के अनुसार, यदि लोगों का बस चलता तो वे क्या करते?

____

3. इन शब्दों के लिंग बताओ–

(क) प्रश्न ____________ (ख) पत्नी ____________

(ग) बिस्तर ____________ (घ) घर ____________

III. इन वाक्यों में रेखांकित सर्वनामों के भेद लिखो–

1. यह प्रश्न बार-बार <u>मेरे</u> मन में उठ रहा है। ____________
2. <u>कोई</u> नहीं जानता कि अतिथि कब जाएँगे। ____________
3. मैं तो <u>अपना</u> मन मारकर तुम्हारी सेवा कर रहा हूँ। ____________
4. <u>कौन</u> जानता था कि अतिथि आकर इतने दिन ठहरेंगे। ____________
5. <u>जिसने</u> अतिथि-सेवा की वह महान हो गया। ____________
6. पत्नी पूछती है कि <u>वे</u> कब तक रहेंगे। ____________
7. <u>मैं</u> कोई जवाब नहीं दे पाता हूँ। ____________

IV. अच्छे अतिथि की विशेषताएँ बताओ।

____

____

____

____

10. राखी का मूल्य

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

बाघसिंह – राजपूत वीरता से लड़ रहे हैं किंतु एक तो हमारी संख्या बहुत कम है, दूसरे शत्रुओं का तोपखाना आग उगल रहा है। उसका मुकाबला तलवारों से तो हो नहीं सकता।

कर्मवती – इस समय मेरे स्वामी नहीं हैं। उनके रहते मेवाड़ की ओर आँख उठाने का किसमें साहस था? बाघसिंह जी, हमने आपस के वैमनस्य की आग में अपने ही हाथों सर्वस्व स्वाहा कर दिया।

1. वार्तालाप में भाग लेने वाले पात्रों के नाम क्या हैं?

2. बाघसिंह ने शत्रुओं के बारे में क्या बतलाया?

3. कर्मवती ने आपसी दुश्मनी के बारे में क्या बतलाया?

4. इन शब्दों का वर्ण–विच्छेद करो–

   (क) वैमनस्य

   (ख) सर्वस्व

5. इन शब्दों के वाक्य बनाओ–

   (क) वीरता

   (ख) साहस

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

तातार खाँ – एक मुसलमान के ऊपर एक हिंदू को तरज़ीह!

हुमायूँ – कौन हिंदू और कौन मुसलमान, यह मैं खूब समझता हूँ। तातार खाँ, तुम भूलते हो, हम सब एक ही परवरदिगार की औलाद हैं। हिंदुओं के अवतारों ने और मुसलमानों के पैगंबरों ने एक ही रास्ता दिखाया है।

1. तातार खाँ को किस बात पर अचरज़ हुआ?

____

2. हुमायूँ ने ईश्वर के बारे में अपनी राय क्या दी?

____

____

3. 'सच्चे धर्म के बारे में मैं खूब जानता हूँ।'– इस वाक्य में विशेषण और क्रियाविशेषण शब्दों की पहचान करो–

(क) विशेषण _______________ (ख) क्रियाविशेषण _______________

III. इन वाक्यों में रेखांकित विशेषणों के भेद बताओ–

1. उस परवरदिगार ने हम सबको समान अवसर दिया है। _______________
2. तातार खाँ, थोड़ी बुद्धि से काम लो। _______________
3. यह केवल एक धागा नहीं बल्कि प्रेम का बंधन है। _______________
4. राखी पाक रिश्ते का प्रतीक है। _______________
5. महारानी कर्मवती का वह सौगात अनमोल थी। _______________
6. राखी वह शीतल प्रलेप है जो सारे घाव भर देती है। _______________

IV. 'रक्षाबंधन'– इस विषय पर लगभग तीस शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

____

____

____

____

V. इस नाटक को कहानी के रूप में अपने शब्दों में लिखो।

11. माँ की मीठी आवाज़

I. इस कविता का अर्थ अपने शब्दों में लिखो।

II. 'मेरी माँ' – इस विषय पर लगभग पचास शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

12. शहीद बकरी

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

भेड़िये से तंग आकर चरवाहे ने वहाँ बकरियाँ चराना बंद कर दिया और बकरियों ने भी मौत से बचने के लिए बाड़े में कैद रहकर जुगाली करते रहना ही श्रेष्ठ समझा।
न जाने क्यों एक युवा नयी बकरी को यह बंधन पसंद नहीं आया। अत्याचारी से यों कब तक प्राणों की रक्षा की जा सकेगी? वह पहाड़ से उतरकर किसी दिन बाड़े में भी कूद सकता है। शिकारी के भय से मूर्ख शुतुरमुर्ग रेत में गर्दन छिपा लेता है। तब क्या शिकारी उसे बख्श देता है?

1. चरवाहें ने भेड़िये से तंग आकर क्या किया?

2. युवा नयी बकरी को क्या पसंद नहीं आया?

3. शुतुरमुर्ग क्या करता है?

4. इन शब्दों से बने विशेषण शब्द बनाओ–

(क) भय ________ (ख) अत्याचार ________

(ग) शिकार ________ (घ) दिन ________

(ङ) मूर्खता ________ (च) रेत ________

(च) पहाड़ ________ (च) कैद ________

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

लहू को देखकर भेड़िये के लहू में भी उबाल आ गया। वह जी–जान से बकरी के ऊपर टूट पड़ा। अकेली बकरी उसका कब तक मुकाबला करती? वह उसके दाँव–पेंच देखने की लालसा और अपने अरमान पूरे कर चुकी थी। साथियों की अकर्मण्यता पर तरस खाती हुई बेचारी ढेर हो गई।

1. लहू को देखकर भेड़िये ने क्या किया?

2. भेड़िये और बकरी के भिड़ंत में जीत किसकी हुई?

3. 'अकर्मण्यता' में से उपसर्ग और प्रत्यय को अलग करके लिखो।

III. निर्देशानुसार पदबंध रेखांकित करो–

1. बेचारी बकरी ढेर हो गई। (क्रिया पदबंध)
2. उसके मन में भेड़िये के दाँव-पेच देखने की लालसा हुई। (संज्ञा पदबंध)
3. थोड़ा–सा असावधान भेड़िया बकरी का वार सहन न कर सका। (विशेषण पदबंध)
4. उसका अरमान पूरा हो चुका था। (क्रिया पदबंध)

IV. 'स्वतंत्रता का महत्व' – इस विषय पर लगभग पचास शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

13. माँ के नाम पत्र

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

नेताजी सुभाषचंद्र बोस उन क्रांतिकारियों में से थे जिन्होंने अंग्रेज़ी सरकार के विरुद्ध 'ईंट का जवाब पत्थर से' की नीति अपनाई थी। बालपन से ही उनके मन में देशप्रेम की भावना का प्रवाह होता रहा था। जब वह लगभग बारह वर्ष के थे तब उन्होंने अपनी माता को एक पत्र लिखा था।

1. नेताजी ने क्या नीति अपनाई थी?

____

____

____

2. नेताजी ने किन्हें पत्र लिखा था और कब?

____

____

3. इन शब्दों से विशेषण शब्द बनाओ–

(क) वर्ष ____________ (ख) प्रवाह ____________

(ग) पत्थर ____________ (घ) नीति ____________

4. इन शब्दों से वाक्य बनाओ–

(क) विरुद्ध ______________________________

____

(ख) प्रवाह ______________________________

____

(ग) क्रांतिकारी ______________________________

____

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

भगवान ने कलयुग में एक नयी जाति बनाई है – वह है बाबू लोगों की। यह जाति किसी अन्य युग में नहीं थी। प्रभु ने हमें पैर दिए हैं पर हम दस–बीस कोस चल नहीं सकते क्योंकि हम बाबू हैं। ईश्वर ने हमें हाथ दिए हैं पर हम श्रम नहीं करते। हम श्रम को छोटे लोगों का काम समझकर उससे घृणा करते हैं। इसका एक ही कारण है कि हम बाबू हैं।

1. इस गद्यांश में किसके बारे में वर्णन किया गया है?

____

____

2. 'बाबू लोग' श्रम से घृणा क्यों करते हैं?

____

____

3. इन शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

(क) घृणा ______ (ख) नयी ______

(ग) छोटे ______ (घ) देना ______

4. इन शब्दों के दो–दो समानार्थी शब्द लिखो–

(क) भगवान ______ ______

(ख) पैर ______ ______

III. 'श्रम का महत्व' – इस विषय पर लगभग तीस शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

____

____

____

____

____

____

IV. अपने पिता जी को पत्र लिखकर बताओ कि तुम्हारे जीवन का लक्ष्य क्या है।

14. मैया मोरी

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

मैया मोरी मैं नहिं माखन खायो।
भोर भयो गैयन के पीछे,
मधुबन मोहि पठायो।
मैया मोरी मैं नहिं माखन खायो।
चार पहर बंसीघट भटक्यो,
साँझ परे घर आयो।

1. इन पंक्तियों में श्रीकृष्ण किसे संबोधित कर रहे हैं?

____

2. श्रीकृष्ण किसके बारे में सफ़ाई दे रहे हैं।

____

3. इन शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो।

(क) भोर ______________ (ख) मैया ______________

II. कविता का अर्थ अपने शब्दों में लिखो।

____

____

____

____

____

____

____

____

15. अनारकों का सातवाँ दिन

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

दस दिन या पता नहीं उससे भी अधिक दिन से अनारको सुन रही थी कि प्रधानमंत्री आ रहे हैं। जिधर देखो, सब यही बात करते थे कि प्रधानमंत्री आ रहे हैं। सब अलग-अलग तरह से बातें करते, पर सबकी आवाज़ में ऐसा कुछ होता था जैसे कोई बहुत बड़ी बात होनेवाली हो। आज सुबह-सुबह पापा के झल्लाने की आवाज़ आई, "इस घर में कुछ भी अपनी जगह पर रखा नहीं जाता।"

1. कई दिनों से अनारको क्या सुन रही थी?

____

____

2. अनारको के झल्लाने का कारण क्या था?

____

3. इन शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखो–

(क) दिन ____________ ____________

(ख) सुबह ____________ ____________

(ग) पापा ____________ ____________

4. इन वाक्यों के काल बदलकर वाक्यों को दोबारा लिखो–

(क) पापा के झल्लाने की आवाज़ आई। (भविष्यत् काल में)

____

(ख) प्रधानमंत्री आ रहे हैं। (भूतकाल में)

____

(ग) अनारको यह सब सुन रही थी। (वर्तमान काल में)

____

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

तीसरी घंटी सामाजिक ज्ञान की थी। सामाजिक ज्ञान उसे अच्छा लगता था क्योंकि सामाजिक ज्ञान वाले मास्साब से उसे डर नहीं लगता था। आज देखा तो उनके भी तेवर बदले हुए थे। आते ही पूछने लगे, "अच्छा बताओ, आज कौन आ रहे हैं अपने यहाँ!"

1. तीसरी घंटी किस विषय की थी?

____

2. किनके तेवर बदले हुए थे?

____

3. 'सामाजिक' शब्द में कौन-सा प्रत्यय लगा है? ______________

4. 'आज' का विलोम शब्द क्या है? ______________

III. 'अनारको' की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन करो।

____

____

____

____

____

____

IV. 'मेरे प्रिय अध्यापक/अध्यापिका'– इस विषय पर लगभग पचास शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

____

____

____

____

____

____

____

16. सुभान खाँ

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

"क्या आपका अल्लाह पश्चिम में रहता है? वह पूरब में क्यों नहीं रहता?" सुभान दादा की लंबी, सफ़ेद चमकती दाढ़ी में अपनी नन्ही उँगलियों को घुसाते हुए मैंने पूछा। अपनी लंबी बाँहों की दाहिनी हथेली मेरे सिर पर सहलाते हुए उन्होंने कहा, "नहीं बबुआ, अल्लाह तो पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्खिन सब ओर रहते हैं!"

"तो फिर आप पश्चिम मुँह खड़े होकर ही नमाज़ क्यों पढ़ते हैं?"

"पश्चिम ओर के मुल्क में अल्लाह के रसूल आए थे। जहाँ रसूल आए थे, वहाँ हमारे तीरथ हैं। हम उन्हीं तीरथों की ओर मुँह करके अल्लाह को याद करते हैं।"

1. लेखक किनसे बातें कर रहा था?

____

2. लेखक ने नमाज़ के बारे में क्या पूछा?

____

____

3. इन शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

(क) पश्चिम ____________ (ख) दाहिनी ____________

(ग) दक्खिन ____________ (घ) लंबी ____________

4. इन शब्दों के वाक्य बनाओ–

(क) सफ़ेद ______________________________

____

(ख) नन्ही ______________________________

____

(ग) हथेली ______________________________

____

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

ईद–बकरीद को न सुभान दादा हमें भूल सकते थे, न होली–दिवाली को हम उन्हें। होली के दिन नानी अपने हाथों से पूए, खीर, आदि परोसकर सुभान दादा को खिलातीं। और तब, मैं ही अपने हाथों से अबीर लेकर उनकी दाढ़ी में मलता।
मैं भी कुछ बड़ा हुआ, उधर दादा भी आखिर हज कर ही आए। अब मैं बड़ा हो गया था। जब मैं छुट्टी में शहर के स्कूल से लौटा, सुभान दादा मुझसे मिलने घर पहुँचे।

1. इन गद्यांश में किन–किन त्योहारों के नाम आए हैं?

____

2. होली के दिन लेखक की नानी सुभान दादा को क्या–क्या खिलाती थीं?

____

____

3. इन वाक्यों में रेखांकित शब्दों के सर्वनाम–भेद लिखो–

(क) हम <u>उन्हें</u> नहीं भूल सकते थे। _______________

(ख) <u>मैं</u> शहर के स्कूल से लौटा था। _______________

(ग) मैंने <u>अपने</u> हाथों से उन्हें अबीर लगाया। _______________

III. इन शब्दों के हिंदी पर्याय लिखो और उनसे वाक्य बनाओ –

1. न्योता = _______________

____

____

2. मुफ़्त = _______________

____

____

3. गुस्सेवर = _______________

____

____

IV. जब तुम्हारे स्कूल में गर्मी की छुट्टियाँ होती हैं तब उन दिनों तुम क्या करते हो? संक्षेप में बताओ।

17. प्रेरक प्रसंग

I. इस पाठ से संबंधित पाँच प्रश्न बनाओ–

प्रश्न 1 ____

प्रश्न 2 ____

प्रश्न 3 ____

प्रश्न 4 ____

प्रश्न 5 ____

II. गांधी जी के जीवन से जुड़े दो प्रसंगों में से कौन-सा प्रसंग अच्छा लगा और क्यों?

18. मत बाँटो इनसान को

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

मंदिर–मस्जिद–गिरजाघर ने
बाँट लिया भगवान को।
धरती बाँटी, सागर बाँटा,
मत बाँटो इनसान को।

1. इन पंक्तियों में कवि ने क्या इच्छा जताई है?

____

____

2. समझो और लिखो–

(क) बाँटना	बाँटा	बाँटी	बाँटे	बाँटो
(ख) काटना	______	______	______	______
(ग) पाना	______	______	______	______

3. इन शब्दों के चार–चार समानार्थी शब्द लिखो–

(क) धरती	______	______	______	______
(ख) सागर	______	______	______	______
(ग) भगवान	______	______	______	______

II. इस कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखो।

____

____

____

____

____

19. लालू

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

एक बार मनोहर चट्टोपाध्याय के यहाँ काली पूजा होने वाली थी। बलि देने वाला व्यक्ति बीमार था। सब सोच रहे थे कि बलि नहीं दी गई तो पूजा ही चौपट हो जाएगी। इसी उलझन में रात हो गई। तभी किसी ने कहा, "लालू बकरा काट सकता है। उसने कितने ही बकरे काटे हैं।" आदमी दौड़ाए गए ताकि लालू आए और पूजा पूरी हो।

1. काली पूजा किनके यहाँ होने वाली थी?

2. किस उलझन में रात हो गई?

3. लालू को किसलिए बुलाने की आवश्यकता पड़ी?

4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के शब्द-भेद बताओ–

(क) उनके <u>यहाँ</u> काली पूजा होने वाली थी। ________

(ख) <u>बलि</u> नहीं दी गई तो पूजा चौपट हो जाएगी। ________

(ग) तभी <u>किसी</u> ने लालू के बारे में बताया। ________

(घ) लालू ने कितने ही <u>बकरे</u> काटे हैं। ________

(ङ) पता नहीं, लालू <u>आएगा</u> या नहीं। ________

(च) बलि देने वाला व्यक्ति <u>बीमार</u> था। ________

(छ) <u>इसी</u> उलझन में रात हो गई। ________

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

लालू को देखकर मनोहर बाबू की चिंता दूर हुई। जल्दी से बकरे को तैयार किया गया। माथे पर सिंदूर लगाकर, गले में माला पहनाई गई। 'माँ–माँ' की तेज़ आवाज़ें चारों ओर गूँजने लगीं। ढोल–घंटे बजा–बजाकर भक्तगण नाचने लगे। लालू ने नाचते–झूमते भक्तजनों को देखा। उसने बकरे को सिंदूर का तिलक लगाया। एक भयंकर हुँकार भरी। हुँकार सुन सारा कोलाहल शांत हो गया। तभी लालू का खड्ग ऊपर उठा और ज़ोर से नीचे गिरा। ढोल–घंटे बजते रहे। दूसरा बकरा पास ही खड़ा धीरे–धीरे काँप रहा था।

1. मनोहर की चिंता किसे देखकर दूर हुई?

____

____

2. बकरे को तैयार करके क्या किया गया?

____

____

3. इन वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित कर उनके भेद लिखो–

(क) चारों ओर तेज़ आवाज़ें गूँजने लगीं। ______________

(ख) हुँकार सुनकर सारा कोलाहल शांत हो गया। ______________

(ग) लालू ने भयंकर हुँकार भरी। ______________

(घ) दूसरा बकरा धीरे–धीरे काँप रहा था। ______________

III. निम्नलिखित क्रियाओं को पूर्वकालिक क्रियाओं में बदलो और उनसे वाक्य बनाओ–

1. डराना = ______________

____

____

2. चढ़ाना = ______________

____

____

3. करवाना = ________________

____

____

4. काटना = ________________

____

____

5. चिल्लाना = ________________

____

____

IV. 'बलि प्रथा' – इस विषय पर अपने विचार प्रकट करो।

____

____

____

____

____

____

____

____

20. जवाहर भाई

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

तत्कालीन आचार्या कुमारी तुलास्कर ही हमारी वरिष्ठ अभिभाविका थीं। वे स्वतंत्रता संग्राम की गतिविधियों से जुड़ी थीं और विशेष अवसरों पर आनंद भवन भी जाती थीं। मैंने उनके साथ जाने की हठ की, किंतु वे मुझे तभी साथ ले जाने के लिए तैयार हुईं जब पिता जी की अनुमति मिल गई। मैं पहले–पहल कब आनंद भवन गई, यह तो मुझे याद नहीं है, किंतु वे आवागमन संबंधी अनेक घटनाएँ मेरी स्मृति में अंकित हैं। उन्हीं में भाई जवाहरलाल के प्रथम दर्शन भी हैं।

1. लेखिका की आचार्या का नाम क्या था?

____

2. लेखिका ने कहाँ जाने की हठ की?

____

3. लेखिका की स्मृति में किनके प्रथम दर्शन अंकित हैं?

____

4. प्रत्यय लगाकर नये शब्द बनाओ–

(क) आनंद ____________ (ख) दर्शन ____________

5. उपसर्ग लगाकर नये शब्द बनाओ–

(क) शेष ____________ (ख) स्वतंत्र ____________

6. इन शब्दों से वाक्य बनाओ–

(क) अवसर ______________________

____

(ख) अनुमति ______________________

____

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

मैंने कहा, "वह प्रधानमंत्री की व्यस्तता का प्रमाण हो सकता है परंतु जो दस–दस दिन पड़े रहते हैं, उनके निठल्लेपन का तो निश्चित प्रमाण है। आप जाकर उन्हें सूचना देने का कष्ट करें कि प्रयाग से महादेवी आई है और उन्हें आज ही जाना है। वह उनसे मिलने की प्रतीक्षा में जीवन के दस–दस दिन बिताने की स्थिति में नहीं है।"
मेरा संदेश किस रूप में पहुँचा, यह पता नहीं। किंतु शीघ्र ही जवाहर भाई तेज़ी के साथ जीने से उतरते दिखाई दिए और मेरा हाथ पकड़कर एक प्रकार से खींचते हुए ऊपर की मंज़िल में ले गए।

1. लेखिका किनसे मिलने गई थी?

____

2. जवाहरलाल नेहरू ने संदेश मिलने पर क्या किया?

____

____

3. इन शब्दों में से लगे प्रत्ययों की पहचान करो–

(क) निश्चित ______ (ख) व्यस्तता ______

4. इन शब्दों में लगे उपसर्गों की पहचान करो–

(क) प्रमाण ______ (ख) संदेश ______

III. 'यदि मैं प्रधानमंत्री होता।'–इस विषय पर लगभग पचास शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

____

____

____

____

____

____

____

____

21. काकी

I. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उस दिन बड़े सवेरे श्यामू की नींद खुली तो उसने देखा, घर में कोहराम मचा हुआ है। उसकी माँ नीचे से ऊपर तक एक कपड़ा ओढ़े हुए कंबल पर शयन कर रही है और घर के सबलोग उसे घेरकर विलाप कर कर रहे हैं।

लोग उसकी माँ को जब शमशान ले जाने लगे तब श्यामू ने बड़ा उपद्रव मचाया। लोगों के हाथ से छूटकर वह माँ के ऊपर जा गिरा और बोला, "काकी सो रही है, इसे इस तरह उठाकर कहाँ लिए जा रहे हो? मैं इसे नहीं ले जाने दूँगा।"

1. सवेरे नींद खुलने पर श्यामू ने क्या देखा?

____

2. श्यामू ने कब उपद्रव मचाया?

____

____

3. श्यामू क्या कह रहा था?

____

____

4. इन वाक्यों में रेखांकित शब्दों के लिंग बताओ–

(क) श्यामू की <u>नींद</u> खुली। ______________

(ख) घर में <u>कोहराम</u> मचा हुआ था। ______________

(ग) श्यामू ने बड़ा <u>उपद्रव</u> मचाया। ______________

(घ) उसकी <u>काकी</u> सो रही थी। ______________

(ङ) उसकी <u>माँ</u> को शमशान ले जाया जा रहा था। ______________

(च) उनके तन पर <u>कपड़ा</u> लपेट दिया गया था। ______________

II. नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

पहले दिन की ही तरकीब से दूसरे दिन फिर पिता के कोट से एक रुपया निकाला। ले जाकर भोला को दे दिया और बोला, "देख भोला, किसी को मालूम न होने पाए। अच्छी–अच्छी दो रस्सियाँ मँगा दे। एक रस्सी छोटी पड़ेगी। जवाहिर भैया से मैं एक कागज़ पर काकी लिखवा लूँगा। नाम रहेगा तो पतंग ठीक उन्हीं के पास पहुँच जाएगी।"

1. कोट से किसने रुपया निकाला था?

2. श्यामू ने दो रस्सियाँ मँगाने के लिए क्या तर्क दिया था?

3. श्यामू पतंग पर 'काकी' लिखा कागज़ क्यों चिपकाना चाह रहा था?

4. इन शब्दों के वचन लिखो–

(क) रस्सियाँ ______ (ख) रुपया ______

5. इन शब्दों के लिंग लिखो–

(क) पतंग ______ (ख) तरकीब ______

(ग) कागज़ ______ (घ) कोट ______

III. 'मेरी माँ' – इस विषय पर लगभग तीस शब्दों का अनुच्छेद लिखो।

IV. मान लो कि तुम्हारी माँ बीमार हैं। उनकी देखभाल करने के लिए दो दिनों की छुट्टी माँगते हुए प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या को पत्र लिखो।

22. सोने की चिड़िया

I. इस कविता में भारत का गुणगान करते हुए क्या-क्या बातें कही गई हैं? संक्षेप में बताओ।

II. 'मेरे सपनों का भारत' – इस विषय पर अपने विचार लिखो।

अपठित बोध

I. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

गंगा नदी उफ़ान पर थी। नदी से सटे गाँवों में अज़ीब-सा भय समाया हुआ था। लगभग दस बरस पहले भी गंगा मइया ने इसी प्रकार का रौद्र रूप दिखाया था। नदी अपने पूर्वी तटबंध को तोड़ती हुई उस पार के बीसियों गाँवों को पलभर में ली गई थी।

अबकी बार गंगा मइया की कुदृष्टि पश्चिमी तटबंध पर पड़ती दिखाई पर रही थी। 'तो क्या, इस बार हमारे गाँव की बारी है काल के ग्रास में समाने की?' सोचकर ननकू काँप उठा। प्रशासन ने ननकू के गाँव वालों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने का इंतज़ाम किया हुआ था लेकिन, 'खेतों के लहलहाते फ़सल? उनका क्या होगा?' ननकू इसी दुविधा में उलझा था।

1. बीस वर्ष पहले क्या हुआ था?

2. ननकू का गाँव नदी के किस ओर बसा था?

3. प्रशासन ने क्या इंतज़ाम कर रखा था?

4. ननकू की दुविधा क्या थी?

5. 'सुरक्षित' शब्द में से उपसर्ग, मूल शब्द और प्रत्यय अलग करके लिखो।

II. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ो और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो–

लगा दे मेरी माँ, लगा दे मेरी माँ,
मेरी चुनरी में मोती, लगा दे मेरी माँ।

कहो तो ए बेटी, सौ–सौ की लगा दूँ,
जियो री मेरी माँ, जियो री मेरी माँ,
तू तो सौ–सौ साल जियो री माँ।

कितनी सुंदर चुनरी सजा दी री मेरी माँ,
मेरी चुनरी में सौ–सौ मोती, सजा दी माँ।

1. बेटी अपनी माँ से क्या कहती है?

2. माँ बेटी से क्या पूछती है?

3. बेटी अपनी माँ को क्या दुआ देती है?

4. बेटी प्रसन्न क्यों हो जाती है?

5. इन शब्दों के लिंग बताओ–

(क) मोती ______

(ख) चुनरी ______

(ग) साल ______

(घ) बेटी ______